

प्रेषक,

डा० एम०सी० जोशी
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन।

संज्ञा में

विद्युत निरीक्षक,
उत्तरांचल शासन
पंचायत घर, बड़ी मुखानी,
हल्द्वानी (नैनीताल)

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: 15 मार्च, 2005

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिये विद्युत सुरक्षा कार्यालय हेतु आयोजनेत्तर पक्ष में स्वीकृत वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या 4805/वि०नि०उ०/बजट पुनर्विनियोग नॉंग दिनांक 22.01.2005 के सन्दर्भ में भुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 79/1/2004-01(1)/6/04 दिनांक 25.08.2004 के क्रम में विद्युत सुरक्षा निदेशालय को विभिन्न अवयवबद्ध मदों में, जिनका मदवार विवरण सलग्न बी०एम०-15 के कॉलम 5 में है, में रु० 1,80,000.00 (रु० एक लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि सलग्न बी०एम०-15 के अनुसार पुनर्विनियोजन द्वारा व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि के व्यय के लिये शेष शर्तें उपरिलिखित शासनादेश दिनांक 25.08.004 के अनुसार ही रहेंगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय भालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय की अनुदान संख्या 07 के लेखाशीर्षक 2045-वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर तथा शुल्क-00-आयोजनेत्तर-103-संग्रहण प्रभार-विद्युत शुल्क-उपशीर्षक-03-विद्युत सुरक्षा निदेशालय-00-की सलग्नक बी०एम०-15 के कॉलम 5 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 775/वि०अनु०-3/2004, दिनांक 11 मार्च, 2005 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

सलग्नक-संश्लेष (बी एन 15)

भवदीय,

(डा० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

संख्या: 1151/1/2004-01(1)/6/04, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-3
- 3- वरिष्ठ काषाधिकारी, देहरादून/उप काषाधिकारी, हल्द्वानी।
- 4- अपर निजी सचिव, मा० ऊर्जा राज्यमंत्री को मा० राज्य मंत्री के सज्ञानार्थ।
- 5- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल हेतु।

भवदीय,

(डा० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

नियन्त्रक अधिकारी-सर्विस-फ़ॉर्म दिनांक

बाल विधिगत तथ्य संशोधन के लिए का प्रयोग

III

अनुनासिकः शब्दः

2

2

Estadística

Abstract

103-21470-5418 [page 2 of 2]

0000-00-0000-0000

01-577-1

19-2001-0151

100

7

Con

१६-गर्भस्थानं च

अनुराधा एव भवति

आदि की सूची

24

8

[illegible]

42-374 204

1

1

257

400	400
-----	-----

2001

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

[illegible]

(જાલ પુસ્તકોનો આકાર)
સાપ્ત મહાસાગર

$$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{2} m \dot{x}^2 \right) = \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{2} m \dot{x}^2 \right) = 0$$

44021 776 / Facs-J-3 / 2005

संशोधन दिनांक 11 मई 2007

[illegible]

三

संस्कृत-विज्ञान

[illegible]

मार्गनिर्देश निम्नलिखित को सूचकांक एवं आकृतियों के द्वारा देते हैं।

4- H_2O का तापमान, $T_{\text{H}_2\text{O}}$ ।
$$\mathcal{C} = \frac{1}{2} \log \frac{2\pi}{\sigma^2} + \frac{1}{2} \log \frac{1}{\sigma^2}$$